Dr Tapali Mukerji.
Associate Prof
H. O.D in Music
R. M. College SAS."

राग - मियाँ मल्हार का परिचय

ग कोमल सप सम्वाद
उतरत धैवत वर्ज्य
दोउ निषाद रूप साजत
मियाँ मल्हार कहाँए ॥

राग मियाँ मल्हार की उत्पत्ति काफि थाट से मानी गई है, इस राग के आरोह मे सातों स्वर के प्रयोग होता है तथा अवरोह मे धैवत स्वर वर्जित है जिसके कारण इसकी जाति है सम्पूर्ण-षाड़व है, इस राग मे गांधार स्वर कोमल तथा दोनो निषाद का प्रयोग होता है। शास्त्रीय नियम के आधार पर इस राग के गायन समय मध्य-रात्रि है लेकिन वर्षा ऋतु मे किसी भी समय गाया बजाया जाता है, इसे मौसमी राग भी कहा जाता है।

विशेषता

1. कहा जाता है कि पं॰ तानसेन ने मल्हार नामक नवीन राग की रचना की जो बाद मे मियाँ-मल्हार कहा जाने लगा।
2. दोनो निषाद का पास-पास प्रयोग मियाँमल्हार की निजी विशेषता है, जैसे - म प ध स नि ध नि सां यह प्रयोग राग रूप का माधुर्य की वृद्धि करता है,
3. विशेष स्वर समूह - सा रे प नि प,

समप्रकृति राग बहार,

4. राग मियाँमल्हार मे म ऽ रे ऽ प ऽ बहार मे सा ऽ - - - म प ग म

राग- मियांमल्हार स्वरलिपि ताल त्रिताल

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16

स्थायी

| प प नि म प
| बी जु री ऽ प

सा - - - | सा - - - नि प | ग - - ग | ग ग ग गम
पी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ हूऽ | रो ऽ ऽ अ | ब ला ऽ गड़

रे - रे - | प - - - | नि सा सा सा | ध ध ध ध
गा ऽ रे ऽ | जो ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ आ | ई घ ऽ ऽ

नि - प ऽ | मप निसां रेंरें सांनि | सा - - नि | प नि म प
गा ऽ र ऽ | जोऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ ऽ ऽ बी | ज री ऽ प

\+ 2 0 3

अन्तरा

सां - - - | नि ध नि सां | म म म नि | ध ध नि नि
पी ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | उ ऽ न उ | ऽ न की र

सां सां सां सां | रें नि सां - | सां नि ध ध | नि नि सां सां
आ ऽ ई व | हे रिया ऽ | ऽ बर स न | लो ऽ गी ऽ

रे नि सां सां | नि नि प प | म म प प | नि ध नि प
स खी ऽ रे | री ऽ लो ऽ | मो ऽ म न | ला ऽ ऽ ऽ

ग ग म म | - नि ध ध | नि सां - सां | गं रेंसां रें सा
हो ऽ कि की | ऽ नि मो ऽ | ह चो ऽ है | मी बाऽ जि या

निसां निसां मप निसां रेंरें सांनि | सा - -
रा ऽ लो र जोऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ ऽ ऽ

Scanned with CamScanner

राग मियाँमल्हार की तान

[illegible]

बोल तान (5 मात्रा आकार) 11 मात्रा ताल

(1) सारे सासा रेप मप | गम रेसा निसा गम | रेसा निसा गम [illegible]

(2) निध निसा रेसा निसा | पप मप गम रेसा | पप मप गम [illegible]

(3) निध निसा रेसा निसा | रेप मम निध निसां
गम रेसा निसां निसां निप मप गम रेसा

(4) निनि सासा निसा सानि | सासा निसा गग मम
निप निध पम पध
गम मग मम गम |

ख उल उलकार

(1) निध निसां निध निसा गंमं रेसा निसां रेसा

(2) सांऽ निप निऽ पम पऽ मप गम निध

(3) सारे निसा निप मप गम रेसा निसां रेसा
ऽप मप निध निसा निध निसां निध निसा

(4) सांऽ धऽ निप निऽ | धऽ पम पऽ धऽ
गम निध निसां गम | निध निसा गम निध